BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

‘पुरातन छात्र मिलन समारोह’
(24 मार्च, 2021)

“डॉ. अम्बेडकर की दृष्टि में शिक्षा का महत्व”

प्रमुख विशेषताएंः–

- राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में पुरातन छात्र
- नेट/जे.आर.एफ. अध्येयतावृत्ति प्राप्त करने वाले पूर्व छात्र
- उच्च शिक्षा में पूर्व छात्र
- सरकारी सेवारत पूर्व छात्र
- वैयक्तिक क्षेत्रों पूर्व छात्र

Google Meet

डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि शिक्षा ही एकता, बन्धुता और देश–प्रेम के विवेक को जन्म देती है। सभ्यता और संस्कृति का भवन शिक्षा के स्तम्भ पर ही बनता है। शिक्षा ही मनुष्य को मनुष्यता प्रदान करती है। शिक्षा के अभाव में मनुष्य पशु तुल्य हो जाता है। इसलिए शिक्षा का उद्‌देश्य मनुष्य की पाशविक प्रवृत्तियों को हटाकर उसे एक ऐसा सफल सामाजिक बनाना है जो विनम्रता और सदाचार से सम्पन्न हो। इसीलिए कहा गया है कि, ’’विद्या ददाति विनयम्’’ अर्थात विद्या विनम्रता को जन्म देती है।

आयोजक
हिन्दी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रो. सर्वेश सिंह, अध्यक्ष, डॉ. प्रीति राय, संयोजक, पुरातन छात्र समिति मो. 9451888162